Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 6

No. of Printed Pages – 7

SS–26–Raj.Sah. (Supp.)

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2024

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियां सारू सामान्य निर्देश :

1) सबसूं पैली आपरै प्रश्न–पत्र माथै नामांक लिखों ।

2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है ।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।

4) अेक सूं अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पड़ूत्तर देवौ ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) नीचै लिख्यै सवालां रा पड़ूत्तर सही विकल्प छांट'र उत्तर पुस्तिका मांय लिखो । [15]

i) राजा भोज किण नगरी रो राजा हो? [1]

अ) द्वारका ब) धारा

स) अमरावती द) उजैण

ii) मेड़ता परगनौ किण रियासत में हो? [1]

अ) मेवाड़ ब) मारवाड़

स) शेखवाटी द) बीकानेर

iii) वैताल पचीसी रा राजस्थानी उल्थाकार कुण है? [1]

अ) खेमदान ब) करणीदान

स) देईदाननाइता द) सैणीदान

iv) गोविंद अग्रवाल किणरी रचना करी? [1]

अ) सवाल शुद्धता रो ब) म्रित्युरासो

स) नुकतीदाणा द) सुख–दुख

v) रणमल्ल छंद किण काल री रचना है? [1]

अ) रीतिकाल ब) भक्तिकाल

स) आदिकाल द) आधुनिक काल

vi) जसनाथी संप्रदाय रा प्रवर्तक कुण हा? [1]

अ) जांभो जी ब) चरणदास जी

स) जसनाथ जी द) हरिरामदास जी

vii) लोकधुनां री मारफत कवितावां करण वाळा कवि रो कांई नांव है? **[1]**

अ) हीरालाल शास्त्री ब) शंकरदान सामौर

स) गिरधारी सिंह द) अस्त अली खां मलकाण

viii) 'मरणपंथ रा पंथी' कविता रा रचना कार कुण है? **[1]**

अ) सुमनेश जोशी ब) ओमपुरोहित 'कागद'

स) विष्णु स्वामी द) नरसी मेहता

ix) कवि रै मुजब लिछमी किणरौ हियौ रिझावै? **[1]**

अ) किसाना रो ब) मजूरां रो

स) धनिकां रो द) राजावां रो

x) रघुराज सिंह हाड़ा री रचना कुण सी है? **[1]**

अ) कतनी बार मरुं ब) काजळी तीज

स) फूल केसूला फूल द) ऊपरली सारी

xi) राजस्थानी री पैली कहाणी 'विश्रांत प्रवासी' रा रचनाकार कुण है? **[1]**

अ) गुलाब चन्द ब) अन्नाराम सुदामा

स) शिवचन्द्र भरतिया द) भरत ओळा

xii) श्रव्य काव्य रा कितरा भेद हुवै? **[1]**

अ) तीन ब) चार

स) पांच द) छव

xiii) अचलदास खीची री वचनिका रा रचेता शिवदास किण कारण प्रसिद्ध है? **[1]**

अ) वीर रस रै कारण ब) प्रक्रति प्रेम रै कारण

स) सिणगार सारू द) हास्य रस सारू

xiv) ''रामरासौ'' किण भांत रो महाकाव्य है? **[1]**

अ) प्रेम रस ब) प्रक्रति काव्य

स) भगती काव्य द) नीती काव्य

xv) जयाचार्य किण पंथ रा हा? **[1]**

अ) दादू पंथ ब) गूदड़ पंथ

स) लालदासी पंथ द) तेरा पंथ

प्र.2) खाली जिग्यां नै भरता थकां पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका मांय लिखौ । **[7]**

i) मुनीम गाय लेय नै सेठ रै ..... माथै गयो । **[1]**

ii) 'गळगचिया' गद्य–काव्य पोथी रा लेखक ..... है । **[1]**

iii) ईसरदास बारठ रो जलम ..... गांव में हुयो । **[1]**

iv) 'भासा सूं अरदास' कविता रा रचनाकार ..... है । **[1]**

v) 'माटी री मनस्या' रा लघुकथाकार ..... है । **[1]**

vi) आजादी री अलख जगावण वाळा पैला कवि ..... है । **[1]**

vii) काव्य रै ..... पख नै सिरै मान्यो जाय सकै । **[1]**

प्र.3) नीचै लिख्या सवालां रा पड़ूत्तर अेक ओळी मांय लिखो – **[10]**

i) 'जे सुख में सुमिरन करै, दुख काहे को होय ।' ओळी रो भाव लिखो । **[1]**

ii) लेखक री घरवाळी फेरां सूं पैली कांई सरत राखी? **[1]**

iii) राजस्थानी भासा री किणी खास दो बोलियां रा नांव लिखो । **[1]**

iv) दो मात्रिक छंदा रा नांव लिखो । **[1]**

v) माटी नै दिवलो बणण रो चाव क्यूं है? **[1]**

vi) पाठ 'चामळ का घाट' कुण सी विधा में है? **[1]**

vii) आधुनिक काल री चार गद्य विधावां रा नाम लिखो । **[1]**

viii) राजस्थानी छंद सास्त्र रै दो ग्रंथां रा नांव लिखो । **[1]**

ix) उपमा अलंकार रो उदाहरण लिखो । **[1]**

x) राजस्थानी रो चावो अलंकार कुणसो मानीजै? **[1]**

खण्ड – ब

प्र.4) नीचै लिख्या सवालां रा पड़ूत्तर लगै–टगै 30 सबदां मांय लिखो । **[24]**

i) हर्ष–जीण री लोकगाथा सूं आपांनै कांई प्रेरणा मिलै? **[2]**

ii) 'कनक सुंदर' पाठ रै आधार माथै गरमी री दोपहर रो वरणन करो । **[2]**

iii) रणमल्ल रै व्यक्तित्व रो बरणाव करौ । **[2]**

iv) मारवणी रै विरह–भाव नै सार रूप में लिखौ । **[2]**

v) राजमती रै विजोग रो कारण बतावौ । **[2]**

vi) 'परधन खोस न खायो ।' कवयित्री किणनै अर क्यूं कैवै? [2]

vii) साइकिल चलावही बगत साइकिल वाळा रै मन में कांई कल्पना अर सपना चालै हा? [2]

viii) 'परदेसां का सज्जणा, पत्तीजूं मिळियांह' ओळी री व्याख्या करो । [2]

ix) 'बिरखा रूत बिरहणी माथै कांई असर न्हाखै? लिखौ । [2]

x) कवि रै मुजब कुणसा जानवर तमाखू नै सूगली समझ'र नीं खावै? [2]

xi) कुण्डळियो छंद रो उदाहरण लिखो । [2]

xii) निबंध लेखन रा मूल तत्त्व लिखो । [2]

खण्ड – स

प्र.5) नीचै लिखी ओळयां रै भाव रो खुलासो करता थकां सप्रसंग व्याख्या करो – [12]

i) तेजाराम पडूत्तर देवतौ थकौ बोल्यौ ''थांरा सगळां रा ओळनाळा जद एक जग्यां गड्या है, तो मुसाण ई अेक जग्यां रैसी । थूं बड़ै मिनख चौधरी रतनाराम रो बेटो कुहावै । टूटी जेवड़ी नै फेरूं जोड़ । [3]

अथवा

तेजाराम सोच में पड़ग्यौ कै इण बापू गांधी देस नै बांटणवाळी बात रो घणो विरोध कर्‌यो । लोगां नै नेतावां नै कितरा समझाया । भारत म्हारी मां है । आपणी सगळां री मां है । भेळा रैवो, पण जिन्ना सरीखा धरमांध माणस हित री बात नीं सुणी । देस बंटग्यो–तीन हिस्सा में ।

ii) म्हनै ठाहै, म्हारै मरणै सूं किणी रो सांस कोनी अटकै, पण म्हारी आत्मा तो अजै ई भटकै है । म्हैं वो दरसाव कियां भूल सकूं हूं, जद म्हारै मरियां सूं पैलां ई म्हारै मरणै री त्यार्‌यां बरतीजणलागगी ही । [3]

अथवा

पण ज्यूं ई परिक्रया देयनै म्हारो बडोड़ो बेटो म्हारै लाम्पो लगावण लाग्यो कै म्है पिलंग माथै सूं ओझक नै ऊभो होयग्यो । म्हारी आंख खुलगी ही ।

iii) फौजां देख न कीथी फौजां, दोयण किया न खळां – डळां ।
खंवा खांच चूड़ै खांवद रै, उणहिज चूड़ै गई यळां ।। [3]

अथवा

महि जातां चींचाता महिला, अै दुय मरण तणां अवसांण ।
राखौ रे किहिंक रजपूती, मरद हिन्दू की मुस्सलमांण ।।

iv) राजस्थानी भासा री उत्पत्ति माथै आपरा विचार लिखौ । [3]

अथवा

राजस्थानी साहित्य रै वीरगाथा काल री विसेसतावां बतावौ ।

खण्ड – द [12]

प्र.**6)** i) नीचै लिख्या विसयां मांय सूं किणी अेक विसय माथै राजस्थानी भासा मांय निबन्ध लिखो – [4]

अ) म्हारो व्हालो कवि

ब) राजस्थानी लोक साहित्य

स) संस्कार अर पढाई रो महत्व

द) मोट्यार सगती

ii) काव्य री परिभाषा अर काव्य तत्वां रो खुलासो करो । [4]

अथवा

अनुप्रास अलंकार री परिभाषा अर दो उदाहरण लिखो ।

iii) प्रेमचंद रै मुजब आज रै साहित्य में कांई बदळाव आयो है? [4]

अथवा

''साहित्य रा खास मकसद कांई – कांई होवै?

DO NOT WRITE ANYTHING HERE